समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

Meta ने मानी बड़ी चूक, PM मोदी का वीडियो हटाने पर मांगी माफी, 'पैसे देकर खास कंटेटं प्रमोट' करने की भी स्वीकारोक्ति

Sanket Morankar Published on 05 Aug 2026

सोशल मीडिया कंपनी **Meta** ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो हटाए जाने के मामले में भारत सरकार से माफी मांग ली है। साथ ही कंपनी ने यह भी स्वीकार किया है कि उसके प्लेटफॉर्म पर कुछ विशेष प्रकार के कंटेंट को **पैसे देकर प्रमोट (Boost)** किया जाता रहा है और अवैध कंटेंट के प्रमोशन में भी गंभीर चूक हुई है।

यह घटनाक्रम उस बैठक के बाद सामने आया, जिसमें Meta की वैश्विक टीम ने केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री **अश्विनी वैष्णव** और आईटी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

PM मोदी का वीडियो हटाने पर मांगी माफी

सूत्रों के अनुसार, Meta प्रमुख **मार्क जुकरबर्ग** की ओर से कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 23 जुलाई को पोस्ट किए गए वीडियो को अस्थायी रूप से हटाए जाने पर खेद व्यक्त किया।

कंपनी ने इसे **तकनीकी त्रुटि (Technical Glitch)** बताया और कहा कि वीडियो गलती से हटाया गया था, जिसे बाद में तुरंत बहाल कर दिया गया।

हालांकि, **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** ने इस स्पष्टीकरण को पर्याप्त नहीं माना।

'पैसे देकर खास कंटेटं को किया गया प्रमोट'

बैठक के दौरान Meta अधिकारियों ने स्वीकार किया कि प्लेटफॉर्म पर कुछ विशेष प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए धन का उपयोग किया गया।

सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने यह भी माना कि कई मामलों में **अवैध कंटेटं** को भी प्रमोट किया गया, जिसे रोकने में कंपनी से गंभीर

चूक हुई।

सरकार ने इस मामले को गंभीर मानते हुए संकेत दिए हैं कि Meta अधिकारियों को दोबारा भी तलब किया जा सकता है।

सरकार ने Safe Harbour पर भी जताई सख्ती

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने Meta को स्पष्ट कर दिया कि यदि प्लेटफॉर्म स्वयं यह तय करता है कि कौन-सा कंटेंट किस तक पहुंचे, तो उसे केवल '**इंटरमीडियरी' (Intermediary)** मानकर आईटी अधिनियम के तहत मिलने वाली **Safe Harbour** सुरक्षा का लाभ स्वतः नहीं मिल सकता।

सरकार का कहना है कि इस मुद्दे पर आगे कानूनी समीक्षा की जा सकती है।

बाल यौन शोषण सामग्री और डीपफेक पर भी उठे सवाल

बैठक में **Child Sexual Abuse Material (CSAM)**, महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री और **डीपफेक कंटेटं** को लेकर भी Meta से जवाब मांगा गया।

सरकार ने कंपनी से इन मामलों में सख्त कार्रवाई करने और कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम को और प्रभावी बनाने की अपेक्षा जताई।

भारत Meta का सबसे बड़ा बाजार

भारत, Meta के लिए दुनिया का सबसे बड़ा यूजर बेस वाला बाजार है। करोड़ों भारतीय **Facebook**, **Instagram** और **WhatsApp** का उपयोग करते हैं।

ऐसे में सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय कानूनों का पालन, उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और प्लेटफॉर्म की जवाबदेही सुनिश्चित करना Meta की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.